

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 🎵 —च.ड ३—उपत्र ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधि ार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 347]

नई दिल्ली, शक्तवार, सिंाबर 18: 1970/साह 27, 1892

No. 347]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 18, 1970/BHADRA 27, 1892

इत भा में हिर , ्र दाहर दी जागे हैं हिन्ते हि एह आज बंकवन के पर्मे रखा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

THICTEY OF FOREIGN TRADE

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 18th September 1970

S.O. 3122.—Whereas the Central Government, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), is of opinion that it is necessary or excedient to amend the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 1022, dated the 26th March 1966, in the manner specified below for the development of the export trade of India and has featwarded the proposal in that behalf to the Export Inspection Council, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rule, 1962.

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the Public likely to be affected thereby.

2 Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within thirty days of the date of publication of this notification to the Export Inspection Council, World Trade Centre, 14/1-B, Erra Street (7th floor) Calcutta-1.

The notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 1022, dated the 26th March 1966, shall be amended as follows, namely:— In the Annexure to the said notification, in Table (F), under the column "General characteristics", after the existing entries the following shall be aded, namely:—
"They shall be free from rancid Kernels."

> [No. 60(4)/Exp. Insp./67.] K. S. BHATNAGAR, Jt. Secy.

बिद्दी व्यापार मंत्रात्य

श्रधिसुचना

नई दिल्ली, 18 सिसम्बर 1970

का • भा • 31222-पतः नियति (गुण नियंत्रण श्रीर निरोक्षण) श्राधनियमः 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार का यह राख है कि भारत सरकार के भारपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की ग्रधिसूचना सं० का० ग्रा० 1022 तारीख 26 मार्च, 1966, को भारत के नियति व्यापार के विकास के लिए नीचे विभिन्नि उरीति से संगोधित करना भाषप्रयक या समीचीन है, भीर इस निमित्त प्रस्तावों को, निर्यात, (गुण नियंत्रण भीर निरीक्षण) नियम, 1966 के नियम 11 के उपनियम (2) द्वारा यथापेक्षित, नियति निरीक्षण परिषद को क्रयोषित किया गया:।

अतः प्रब उक्त प्रधिनियम के अनुरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त प्रस्तावों को तबद्वारा संभाव्यतः प्रभावित होने वाली जनता की सूचना के लिए प्रकाशित करती है ।

2. एतदुद्वारा मुचना दी जाती है कि कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई प्राक्षेप या सुझाव भेजने का इच्छुक हो इस प्रधिमुचना के शासकीय राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख के तीस दिन के भीतर निर्मात निरीक्षण परिषद 'वर्ल्ड देंड सेन्टर", 14/1-बी एजरा स्टीट-कलकत्ता -1 🖷 भेज सकता है।

प्रस्ताव

भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की श्रधिसूचना सं० का० आ० 1022 तारीख 26 मार्च, 1966 निम्न प्रकार से संशोधित की आएगी, अर्थात् :---

उक्त प्रधिसूचना के उपबन्ध में, सारणी (च) में, 'साधारण लक्षण' स्तंभ के नीचे विध्यमान प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ विया जाएगा, श्रयत् :-

"वे विकत गंधी गरी से मुक्त होंगे।"

[सं० 60(4)/एक्सपो• सम्सपे०/67.] के० एस० भटमागर, संयुक्त सचिव ।